

[illegible]

दिवायेतकपालादुभ ३ ॐ श्रीगोमहासा संतंरः वद
 तप्तसप्तवज्रासाकउरवाएवज्जारहागोद्वारः ॥ धलोवज्जारम
 रेद्यउउहृष्टाविरकेमाउमाधरठेदिदुयेनरंतराभनि
 आलाहनुमाधविरकि ॥ ५ ॥ हुनुनतांजतांजतां

ॐ श्री गुरु मंत्रं सारं प्रकृति प्राप्ति महेश्वर प्रकृति देवता
हृत्प्रकाश हृत्प्रकाश हृत्प्रकाश हृत्प्रकाश हृत्प्रकाश

काठं पुलाका टुं क हत रि वा ध रा कि ला वा रा ओ
 पुतला का टो मं न र ठि टा कु क पे मं न र हो
 सात दो रा वा गो वला उ नु र य हि मं न र हो कु कि सात गा
 ठा वा र नु : ॥ सो मो नु र का भा दा सा रा ब नु पो दा र नु दे ला
 पा निले पु नु नु : प द्वि वा ट पो धा गो ड रि ना रि सा वा ध नु :
 पुतला को ना ल हो

जमलहि मूल को बाहु साह का जातः॥ पडा न को आ
संजव जगत्क ले रः वा र व जा र हा गो दे वा रः॥ धाले व नु ह य
है द्या वि उ टा वि र के सा उ सा ध व ठे दे रु मं नं र ता रा शि वा
ल ह नु सा न वि र को ड हा र

ॐ श्री ग मः रा हे स मं न रः व मं ग ह सिं ध क उ आ हे
न जा धि रा म उ ग ह वा वा प दि रा म उ का हा गो राः वा

उ रा म उ वा ने र वि र दा री रा म उ न र सिं ग वि रः सिं
रा म उ ह नु सा न वि र पु र व म दि मं उ त र द मि ग वा र

दि सा ध म मं न र हो

ॐ श्री ग मः॥ हा नु सा मं न रः का ला भै र व क पा हा उ टा म
लै वा रि हा द कि धु प नै का वा र द म म ह ति को ला र म रै तो
का ला भै र व न आ रै तो पा व ति को ड ड ह रा म क रै सिं सिं
व डि उ को हो क रै

इमं प्रलेखे २२ मन्त्रिपुर्वे ५५ इति खेकृति आगे सत्य

ॐ पाति पाति गंगा पाति ति अलङ्कारा निप्रुद्धे लुट् व ड
मल्ल रत्नां गुहा करो वा ये भस्म भु ल् लाला हा मल्ल कि ल
नि मेरि भक्ति फुर मंल्ल र् इभ र कि लावा ॥ ॥ इत्य मंल्ल
लो ने र ७ ७ टा पाति मंल्ल र्नु संत्ये

[illegible]

हृत्पुत्रगणिकाउरुमसिहोः॥ आथमजुधुंगारः॥ ससुद
कलभाग१गंधकभाग१मोडोभाग१रायोभाग१सअंभा
ग१लेसाहभाग१कांभुलिभाग१इतिधुपदिहसकहागा
राभागः॥ आथअममंडपकाथः॥ सुमिसुमि१चापोर
सुमि१थोरसुमिः सुमि१२पारिहालि॥ अहोभाग१मरि
चभाग१पिपलाभाग१सिं१धोभाग१धुमिअंभाग१म
हिमि१हालिपकाउरु१सुमिः॥ भाडाभाकिकिपैहोखासादि

दिहपकाअंभाः॥ पित्तडाः॥ कफडाः॥ दोअडाः॥ प्रहादेयोसुः॥
पिसोपकुलोः॥ इतिधुपदिहकारसहोः॥ आथओमकारको
रुः॥ हिमभाग१अथोभाग१पिपलासुहभाग१हडिभाग१
कुडकिभाग१जाफरभाग१राजनिहभाग१इतिमममग
दिआमजसेजगरिकाथआरुकफडाः॥ १॥ अंमो ~~अंमो~~
गुरुकोआदेसः गुरुमाथतरयोहमेलांमिपारिपारुः
तेरिमाथमेरिपारोरापतदयदिपारुः॥ तेरिमेरिसकि

उद्दिभक्तिरागलादिमरायकिवाचाः॥ तैर्कुं ~~नार~~ नारकिवाचा
॥ टिटिसकोटिगो ~~उ~~ उरापायताकिवाचाः॥ दितारिषि। कि
वाचाः॥ आकासवाशुकिताग। किवाचाः॥ मासां वंद्यमाहा
देउः सरिसहदेउकिवाचाः॥ कहुमाओरतं माओ भुदुपा
सेकिवाचाः॥ बहाडाबुवाकिवाचाः॥ गकुटकिशि। किशि
दसकादमं बहवाजितः॥ काहातुमारेरतिः॥ काहातुमा

काहातुमारेरतिः काहातुमारोवासाः सांमाकोहानोवां धु
॥ कोलप्यागुये धुनु उं दुं श्री मंजग ~~अ~~ अं ईनालाकडि वि
~~भो~~ भो तिलागायेः ये मां किलाठि तिर धरा उसेला
काति धातुचठा मुं उः ईनाजलं काआदि संधाने मृटा ध
तं संसेः॥ इति देउता कोतापुउत विद्याफुश उंः ५५
परमेत्यदिः कोललोह इति देउता कोवाचाः॥

दलत मे रिवाचाः॥ दल फुर मंत्र किवाचाः॥१॥ इत मंत्र कि
दिहिः डाई गि को केसः क परा मा उ नुः वा मां हं डि मा
मा ता ~~म~~ वा र रा यो व र हा ल नु फे रा सा त २ मंत्र नु
~~हो वा टो मा~~ १ हा त को वा ड ल व नु वा ड ल मा
व सर वि नुः कु सु रा ले ओ गा दि नुः ते लो ला स हं हू

॥३॥ अ व डि जो डि निः व डि वा धुंः ५ स उ ता क हं व र्ज र क च उ
कु ला क हं क प र क हंः वा अ म ५ क हंः भे ५ क हंः प्र म त द के रि मा हंः
ते रि हि या नो ५ क हं डि कु डि मा हंः मे रि ग हं कि स कि मे रि मा कि क र
मंत्र इ ख र ~~मा~~ हा डे उ कि वा चाः हो हा कि कि ~~मा~~ हा मा ने र २ मं
न नुः नु नु को ता उं मा मंत्र नु वा र मा इ ति मं ग ल वा रि गा ह नुः स
कु म हं ॥१५॥ ॐ आ हो भै हं जा गो जा गो का हा ता थं भै हं मः जा हो
भै हं मः ॐ डी ॐ हंः मा मा को स सा हाः डि उं दो हं उंः डा म सा रा हो

किः बलो बलो भेहि मः आकला मल्लो देखा कोकरो धरि धरि माउ
तुः भेहि मः गह गह भेहि कोसक्तिः श्री माहादेव ~~म~~ व कि गो राज
कीती कि भावाः ॥३॥ तिन म वि क र वा धुरि खा वा मा गा डि डि तुः
मंत्र ह १०। १२५ पलु सनु म ~~म~~ ॥१॥ श्री गं रो मा य ल र मः ~~हि~~ हि
याः ॥ = ॥ धन दो तो ला १ ग जो तो ला १ ~~हि~~ हि फल को ग जो तो ला १
हि ~~हि~~ हि को ज रा तो ला ५ गा इ स क व र को ड ड माः १ गो ला का कि को
वि या २ ॥ क प र मा माः १ जा ई क ल मा मा १ ॥ क लु रि मा मा १

जा ई व रि मा मा १ ॥ लो का ई मा मा १ ॥ मल गरि म रि तु ध लोः इ
द मा प का ई पि उ नुः ३ ह क ध र द ह डि व स तु य को ला उ पु म
रा म ॥ ॥ आ ई त म ग ला वा र पा रि मा मा को ता प को रा उ को १० का ग
को रा उ का को डि १ ता रो को गि डि १ रि क ला रि क टा अ क क
ला क ~~म~~ म कु म म ल ग नु हि वि जो रि आ गा तु ला ई म ला उ नु यो
ध प म रि डि या ल गा रा भा गि डा ह ॥ ॥ १ ॥ वा वि रि को ड डः
वा ध्या को डो र ज वा मा मा क प ल दा त मिला ई को र लु यो ला

२१३७

मांटे
मटे
रु

ईछोठु. जेला दि या. वा छा मटे रा. राज मटे रा. ति को हुं छु. २
धनु व स को प्रा सो. राजा म को दा ल. गा ई को गु ई ठा पो लि धु का
का सा का थालि. मा. गा इ ल. ति कि ३ थो क मि ला ई छो ट रु. जो
ला दि या स य ट म दि रा ति को हुं छु. ॥ ३ ॥ = ॥ इ ति टो र क म. स के
ठा (उ मि ता ई सा ध नु लु जे वा का म रु यो ला ई दि या. वा छा रा रु
मटे रा स र्व स ये मटे रा स ये ति हुं छु. ॥ धु म गरि दि या प्र का

दे वि रु रु मो त वा ट म त स म डि डा इ ति को छि भु त प्रेत. फु ल
दे व ता १ वा दि क. ल गा ल ति को हुं छु. ॥ = ॥ भि रं गि को ई ला ज
॥ धा वि रि को डा रा तो ला १ दे ता उ ला ज रा तो ला १ धा जा रा मं
त र छ ला तो ला १ बि ला नो को भुं त र छ ला मा सा १ का क पु को
भु त छ ला तो ला १ मा ल का गु ला को गे डा ३ ॥ भै उं क रो का डा
रो क डि धु लो मु ठि ३ ॥ भि ज्जी रा ज को डा रो तो ला १ म स हि कं द
तो ला १ नि कृ टा तो ला १ ॥ शि फ ला तो ला १ क लु रि मा सा १

भि
रं
गि
को
ई
ला
ज

कपुरमासा १॥ गोला चंद्रमासा १॥ लाधां ५१॥ मासा १॥ जाईफल
 मासा १॥ जाईपत्रिमासा १॥ विदला मासा १॥ शुभाशुभति ३
 मतिरुत्तकाईमलागुरुः तोपासागुडमाधरिपादुवकांये
 रकोगेडागुत्रोबनाई २१॥ दिनसमसाडाविहा २५५ मासा
 भरतगमासु ॥ लाउसाः कसुरिहा २ कपुरहा २॥
 तेतोअयहलोहा २॥ राहपासाकोडोहासाधोदुःकागति
 को ~~पु~~कसापकाउरुडांगिहहिला/जिसविद्या/सपारि

जोहितमासुकोसिद्धधाफलासुकोकिदलोहा २॥ शिलातुधि
 कतिकाप्रमासा/मसिनुपितियलगरिसाकूमिलाईधु
 तोपादुधोहिलाउरुहनुयटेराहोरिलाउरुहरिदिकुभि
 रंगितिकोहुंछ १॥ अटेरापअलिहाअतेवोहिलाउरु
 अकेरुधलोहरिदियाप्रशिकोहुंछ ॥ प्रंगलासासुहा
 टिटिलोअटेरावेधाभायासासुद्रफलछोहिलाई
 रुतिकोहुंछ ॥ ॥

प्राया साधु हा पा र थ र गा डि को थ सा करे ला को पा र
फुल्लो जिलो र स हा लि डि बा नि क लि जां ह ॥ १ ॥ प ड ह
र को गु दो तो ला १ इ प्र ना नि को गु दो तो ला १ ॥ म ह लो ला १ ॥
सा धि गा र्ह को उ द धि उ स ग सा लुः धा लु नु म ह ह ह ॥
उ भो सा लु व ह ग कोः ह ली प रि ग को ह ह ॥ १ ॥ उ हा धा उ
सा ला उ पा र्हा ड र ॥ प्र जि ग र को पि न क क र को जि भो मु का र्ह
र ग रि धो टि ला उ रु रा डो नि को ह ह ॥ ॥

ग रो क र ल पा र्हा ड ॥ ॥ ह रि व र्ध न क ला नि क र ल क टि म सि ५
उ लो भा त सा ड सि त सा लु स र्क र रो दा ॥ ॥ कौ ट्या ल क र पा को
रि ला ड ॥ ॥ = अै सि को थं गा रो उ ता को र ल धा धो टि ला या डे सि
न वा कि लु कि डा ह ॥ १ ॥ अ कि म १ ॥ सा र्कि ला १ ॥ पि डा या को पा र
१ सा व को को या १ ॥ स ग ग रि नि रु सा ड स ग सा लु स र्क प्र ति सा र
सा व र ॥ १ ॥ आ ला प्र ति सा र को रि ला ड ॥ ॥ = अ म सा र को र रा अ ठा
रि गे ड म रि उ र पि नि सा लु नि को ह ह ॥ १ ॥ उ व र लि को रि ला ड ॥

हस्तधरोटिमातुसर्जउपतलितिकोदुं॥१॥ घोडाकोआखो॥
 प्रठाहिंगेडापरिहृदिनिआयामाहाउरुतलजिडा॥१॥ कुहनाल
 कोटिकोउदपिनिआयाउपतलितिकोहो॥१॥ प्रतिपारभया
 कोहोला॥ परलोकोपिताकाकिकोउदसंगमिलाईयाहुप्रति
 पारजाः॥१॥ दोयकोहोला॥ कासोकहेलायाहुपायापा
 नापिनिआहुदोयजा॥१॥ उत्तलिकोहोला॥ सुषवाटपस
 याकोसकेपिनिआहुलाउरु॥१॥ धनिमंकाहोहोरोचि

माई ५॥ श्रीकृष्णतद्विषयित्वे ध्याता ॥ १॥ स्वास्ति
 रिद्धता साहाय्य कृष्ण देविका सिद्धा प्रिय को न सो गाता
 माहा विद्वत् साहाय्य कृष्ण ॥ १॥ सकृद्विष्णु तत्त्व
 या देविक कृष्ण को न सो वेद माहा विद्वत् साहाय्ये ॥ १॥
 श्री गुरुदेव ॥ श्री गुरुदेव गुरुदेव ॥ ॥ गुरुदेव
 पाचा ॥ गुरुदेव गुरुदेव ॥ गुरुदेव गुरुदेव ॥

१। ४२। ५ कि र द. य उ. य व

मर हृदिको फुल मरमा ॥ विरेहं हि मरमा ॥ १ ॥ ओ
 सी तिमि नि कला मरि को मुडु का मा हा लिनुः माता ॥ १ ॥
 गाई को छिउ सित मंजु रा विहवा नि छ नेट भेटु का रुता आउ
 रति सो गजा को जा ॥ १ ॥ प्रथमेट धाम मा हा ज ॥ छोडा को
 हा डि भाग ॥ १ ॥ अहाई गेडा मरि च विनि खातु पेट धाम ॥
 ॥ १ ॥ तुलका गरा गाई वदेह प्रखि भोति बदेह घो रिता मे
 लर प्रभु भति ॥ ते रि मा ग्या मोह ति सि र च हा उग्र ह कि सं कि

मे रि भ कि फर मंजु रि च कि भा वा ॥ १ ॥ ॥ ॥ ॥ त आ जे दं ॥
 मने र पेसा ॥
 मं स हो चं ह तोला ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 मं उ वा पे सा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 मा कु टि मं उ वा कु टिः रि मु हा लि व का ई व ल ग रुः ॥ म ह
 मा मि ला ई बा रु इ म कि को वे था दी को रुं ह ॥ १ ॥

॥ १ ॥

म
 सो
 क
 इ
 म
 को
 आ

॥ सुन मे मया मया ॥ १ ॥ गाड को हुन ॥ सिउ को प्रे उमा ह भि रं गि
राजा मे हुन को प्रे उमा ह सव पिशा करा ॥ १ ॥ ब्रह्म दितु गाड सुक
॥ १ ॥ गाई को धिउ ग उतरा मिसि प्रुंज ~~र~~ ग र्गुआ वा को ॥ विप्रा
जा ॥ १ ॥ सुवा लु भा ग ॥ सु री भा म ग ॥ १ ॥ सिधो लु भा ग ॥ १ ॥
सग गरि स द द ग गा गरि ता ता पा रि स ग प्रु व हा प्र स रा वा लु
मंदा निडा वा यु गो ला म प्र से ग्र ह ति डा गाई को उ द स ग वा लु
पेट को लु हा जा तिला का ते हा स ग वा लु वा यु गो ला जा कह जारा

ते हा स ग वा लु वा था पि नु जा कह ते हा स ग म द र ग ग र्गु सि दे
व जा ॥ १ ॥ ग ड स ग वा लु पि नु जा ॥ १ ॥ म ह स ग वा लु र क प्रु ति
सा हा जा ॥ १ ॥ सि म को थो को भा ग ॥ १ ॥ ल ठो भा ग ॥ १ ॥ सु वा
लु भा ग ॥ १ ॥ य ति प्रु व ला प्र स रा वा लु व रा ई रा ता भि रं गि राजा को
को ला वा लु क व पि नु जा ॥ १ ॥ भिं गि राजा कु टु कि वा लु प्रो लो जा ॥ १ ॥ भिं गि
राजा वि फ ला वा लु मंदा नि डा ॥ १ ॥ भिं गि राजा को ज रे वा धि दि रु क र्ग
रा वा जा ॥ १ ॥ भिं गि राजा कु टि वा लु प्रो लो को ज रे जा ॥ १ ॥

मिं गिरा को ज्ञाते जिहियार था धनु का सा ५०० कुल जा ॥ १॥ मिं गिरा
ज्ञा को ज्ञा को ज्ञा रो धो टिता इटा मला उनुः कहने था जा ॥ १॥ पाटु
ह पात्मा र धि उ वा लु पित्त ॥ १॥ पाटु ह पात्मा र प्र वि ज्ञा को ज्ञा
ह पात्मा र स र्ति ता जा ॥ १॥ पाटु ह पात्मा र था क्रि को ज्ञा उ द वा लु ल ह
जा ॥ १॥ पाटु ह पात्मा र था क्रि को धि उ वा लु ता उ नु रु मि र वे
था जा ॥ १॥ पाटु ह पात्मा को ज्ञा ता तो ग रि था मा मि त्त जा ॥ १॥
पाटु ह पात्मा र म ह पात्मा प्र ति ता हा जा ॥ १॥ पाटु ह पात्मा र ह दि था र इ

मिं गिरा को ज्ञाते जिहियार था धनु का सा ५०० कुल जा ॥ १॥ मिं गिरा
ज्ञा को ज्ञा को ज्ञा रो धो टिता इटा मला उनुः कहने था जा ॥ १॥ पाटु
ह पात्मा र धि उ वा लु पित्त ॥ १॥ पाटु ह पात्मा र प्र वि ज्ञा को ज्ञा
ह पात्मा र स र्ति ता जा ॥ १॥ पाटु ह पात्मा र था क्रि को ज्ञा उ द वा लु ल ह
जा ॥ १॥ पाटु ह पात्मा र था क्रि को धि उ वा लु ता उ नु रु मि र वे
था जा ॥ १॥ पाटु ह पात्मा को ज्ञा ता तो ग रि था मा मि त्त जा ॥ १॥
पाटु ह पात्मा र म ह पात्मा प्र ति ता हा जा ॥ १॥ पाटु ह पात्मा र ह दि था र इ

Handwritten text in a cursive script, likely a form of Indic script, arranged in approximately seven lines across the top half of the page. The ink is dark and the script is dense and flowing.

Handwritten text in a cursive script, likely a form of Indic script, arranged in approximately three lines across the bottom half of the page. The ink is dark and the script is dense and flowing.

शास्त्री कृष्ण कादर म न सातदशा ये सदासि व शोकल मेः हा
त व कवि मु लवि शत्रो ज्ञ त यु ज साते हेत शत मे ॥ न टा म कु ट सि र ग
गानि शत्रो

सातदशा

ASHA ARCHIVES

शास्त्री कृष्ण कादर म न सातदशा ये सदासि व शोकल मेः हा
त व कवि मु लवि शत्रो ज्ञ त यु ज साते हेत शत मे ॥ न टा म कु ट सि र ग
गानि शत्रो

2452

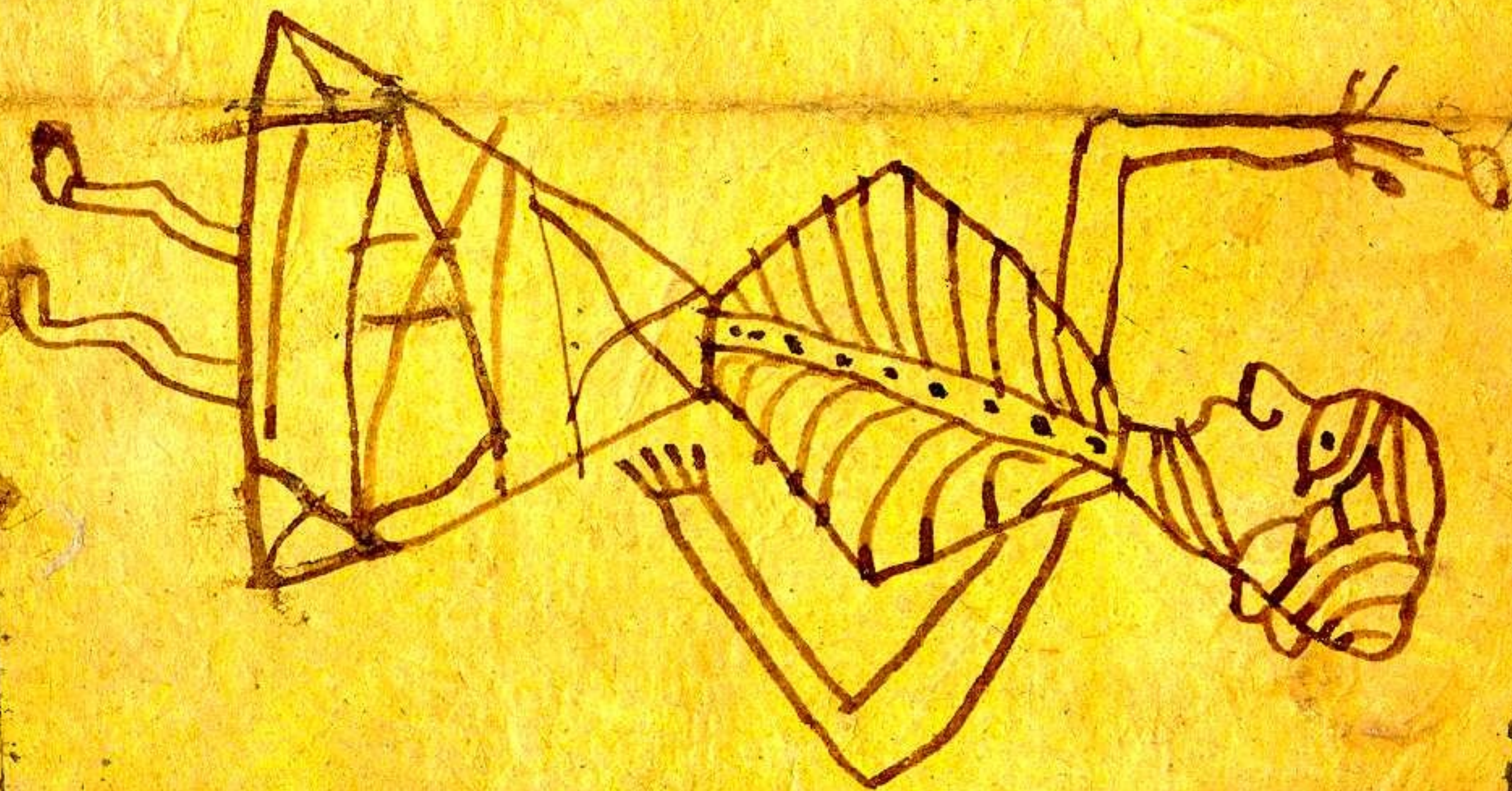
साः लोक ल साइराण सात रय्य ये स वसि व गो कु
ल मे सात वक्र प्र सि ह
सा प्र ह स साइराण सात रय्य ये स वसि व गो कु
ल मे सात वक्र प्र सि ह स जे शु ल य ज ता ते रे व
ग सा मे ॥ ज व म कुं व सि ह गं सा वि ता ते व द र मा सि

साः स म जे उ ले म व ल प कि प्रा क लि नु ग मा हा अ ता वि
स व सा इ सा व्य म लि च

ममि उलेमनरु पाकिपाः कलि... माहा अउता राक
... वाचपः पदु मात रा विर... वा उता विरला उता
यमा जि प्राये सरि मि ला उता को भार जि प्रा अ जूरा
मिम लि रा रात दे उतो हो कुल धर्म नु धि मि ले के प
स लु कि प्रा दा ला मा ज्ञा इ वा स वि का भु इ गा ज्ञा इ दा
जा के प्रा डा प्रा फु वार व वित्त वी कि

श्री गंगा माता श्री जय हो देवि नैर विरो रचना अदरि ज्ञान दे
ने भव
राज निगुर ॥ हरि पत नि









211

211

211

211

211

211

211

211

211

211

211

211

211

211

211

211

211

211

211

211

211

211

211

211

211

211

211

211

211

211

211

Handwritten text in a script, likely Arabic or Persian, located in the bottom right corner of the page.



Handwritten text in a cursive script, likely a form of Arabic or Persian, written on aged, yellowed paper. The text is arranged in two lines, with the second line being more prominent and legible than the first. The script is dense and flowing, characteristic of historical manuscript writing.

[illegible]

Handwritten musical notation on a single page, featuring a series of horizontal lines with various symbols and characters written above and below them, likely representing a musical score or a form of shorthand.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Handwritten text in a cursive script, likely a continuation from the previous page. The text is written in a single column and appears to be a list or a series of entries. The script is dense and difficult to decipher, but it seems to be a form of shorthand or a specific dialect of a known language.

Handwritten text in a cursive script, continuing from the previous page. The text is written in a single column and appears to be a list or a series of entries. The script is dense and difficult to decipher, but it seems to be a form of shorthand or a specific dialect of a known language.

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ २ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ३ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ४ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ५ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ६ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ २ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ३ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ४ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ५ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ६ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥ २ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥ ३ ॥
सर्वकल्याणकरि सर्वसुखकरि ॥ ४ ॥
सर्वमङ्गलकरि सर्वविघ्नहर्त्रा ॥ ५ ॥
सर्वशान्तिदायि सर्वसौख्यदायि ॥ ६ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥ ८ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥ ९ ॥
सर्वकल्याणकरि सर्वसुखकरि ॥ १० ॥
सर्वमङ्गलकरि सर्वविघ्नहर्त्रा ॥ ११ ॥
सर्वशान्तिदायि सर्वसौख्यदायि ॥ १२ ॥